RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 252, शुक्रवार, 18 अक्टुबर, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्ड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: क्षेत्रीय मुद्दे बदल सकते हैं चुनावी गणित

मुंबई(एजेंसी)।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। सभी दल जोर शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हैं, लेकिन राज्य के प्रमुख मुद्दों सूखा, किसानों की आत्महत्या, प्याज की कीमतों में भारी कमी तथा सिंचाई आदि पर कोई बातचीत नहीं कर रहा है। यह कभी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। इस क्षेत्र में अब भाजपा ने अपनी जड़े जमा ली हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडऩवीस के निकट सहयोगी गिरीश महाजन को इस क्षेत्र में कांग्रेस को उखाड़ फेंकने की जिम्मेदारी मिली हुई है। अब तक वे कांग्रेस के प्रमुख नेता पूर्व मंत्री अमरीश पटेल, माणिकराव गावित आदि को भाजपा में शामिल करा चुके हैं। यही नहीं भाजपा ने यहां अपने पुराने नेता एकनाथ खड़से का टिकट काटकर उनकी बेटी रोहणी खड़से को मुक्तेनगर से चुनाव लड़ा रही है। यहां भाजपा व शिवसेना को अपने ही बागियों से कई जगह टकराना पड़ रहा है। इस क्षेत्र में रोहिणी खड़से तथा छगन भुजबल जैसे बड़े नेता भी मैदान में हैं। कृषि संबंधी दिक्कतें, प्याज की कीमतों में भारी गिरावट, सूखा तथा जंगल विभाग के कानून से जुड़े मामले प्रमुख हैं। विदर्भ का इलाका भी कभी कांग्रेस का प्रभाववाला माना जाता था। इमरजेंसी के बाद भी यहां कांग्रेस का बहुत अच्छा वोट मिला था जब वह देश के अन्य हिस्सों में बुरी तरह पराजित हुई थी। भाजपा ने कालांतर में यहां घुसपैठ कर अपना आधार बना लिया। विदर्भ को अलग राज्य बनाने के मुद्दे को हवा देकर 2014 के चुनाव में भाजपा यहां 62 में से 44 सीटें जीतने में कामयाब रही। भाजपा की इस बार भी यही कोशिश है कि कांग्रेस को दस से भी कम सीटें ही यहां मिल सकें। बीते सालों में इस क्षेत्र में विकास के लिए राज्य सरकार ने काफी पैसा खर्च किया है। बावजूद इसके इस इलाके में बारिश न होने तथा फसलों के बर्बाद होने से परेशान किसानों की आत्महत्या की घटनायें लगातार हो रही हैं। नागपुर दक्षिण से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडऩवीस, बल्लारपुर से सुधीर मुंगंटीवार और सकोली से नाना पटोले। किसानों की हत्या, जातिगत भेदभाव तता सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं का पूरा न होना। पश्चिमी महाराष्ट्र को चीनी बेल्ट कहा जाता है। यह एनसीपी नेता शरद पवार का सालों से मजबूत गढ़ है। यहां शुगर को-आपरेटिव से जुड़े स्थानीय नेता पूरी राजनीति को संचालित करते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में एनसीपी ने चारों संसदीय सीटें यहीं से जीती थीं। भाजपा ने इस इलाके में शरद पवार के प्रभाव को कम करने के लिए कांग्रेस व एनसीपी से जुड़े रहे कई मराठा नेताओं को इस बार टिकट देकर मैदान में उतारा है। कारजात जामखेड से रोहित पवार, संगमनेर से महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष रहे बाला साहेब थोराट, कराड़ से पृथ्वीराज चव्हाण और शोलापुर से परिणीति शिंदे। कोल्हापुर, सांगली, सतारा तथा पुणे में बाढ़ पीड़ितों को समय से राहत न मिलना, आर्थिक मंदी तथा फैक्ट्रियों का बंद होना। इस संभाग में महानगरी मुंबई के अलावा रायगढ़, रत्नागिरि के इलाके आते हैं। इस इलाके में बेहतर करने के लिए एनसीपी तथा कांग्रेस लगातार कोशिश में जुटे हुए हैं। रायगढ़ व रत्नागिरि इलाके में एनसीपी का असर दिखता है। यहां बन रही तेल रिफायनरी भी इस बार चुनाव में मुद्दा है। इस मुद्दे पर भाजपा व शिवसेना में मतभेद है। यही नहीं कोंकड़ इलाके में भाजपा प्रत्याशी नितेश राणे के खिलाफ शिवसेना ने विधिवत अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया है। पीएमसी बैंक घोटाले को भी एनसीपी तथा कांग्रेस यहां मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता शशि थरूर की पाक को लताड़, कश्मीर पर दखल देने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सर्बिया में अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की बैठक में कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए बुधवार को पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए कहा कि यह विडंबना है कि जम्मू कश्मीर में अनगिनत आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार देश इस तरह के दुर्भावनापूर्ण प्रयास कर रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत की संसद इस तरह के दुर्भावनापूर्ण प्रयासों को सफल नहीं होने देगी। लोकसभा सचिवालय ने एक बयान में कहा, ''भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दो विभिन्न सत्रों में जम्मू कश्मीर के बारे में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के आधारहीन आरोपों का खंडन किया है। सचिवालय ने थरूर के संबोधन वाला वीडियो भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैं भारत में विपक्षी पार्टी से संसद का सदस्य हूं और हम अपनी संसद का कश्मीर और अन्य मुद्दों पर हमारी सरकार के साथ चर्चा और बहस करने के लिए उपयोग करते रहेंगे। हम अपनी अपनी लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लड़ेंगे और इसमे सीमा पार से किसी भी हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। थरूर ने कहा, ''जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि जो देश जम्मू कश्मीर में अनगिनत आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार है वह खुद के कश्मीर का चैंपियन होने का स्वांग रच रहा है। आईपीयू की 141वीं बैठक सर्बिया के बेलग्रेड में 13 से 17 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर: शोपियां में सेब व्यापारी की आंतकियों ने गोली मारकर हत्या की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में बुधवार शाम को आतंकवादी हमले में पंजाब के एक फल विक्रेता की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि त्रेंज में 3-4 आतंकवादियों ने शाम करीब साढ़े सात बजे चरणजीत सिंह और संजीव को गोली मार दी। उन्होंने कहा कि दोनों को नाजुक हालत में पुलवामा के एक जिला अस्पताल ले जाया गया। चरणजीत सिंह की मौत हो गई जबकि संजीव की हालत नाजुक बताई गई है।

दिल्ली: 13 तोतों की पटियाला हाउस कोर्ट में हुई पेशी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां सोमवार को पटियाला हाउस कोर्ट में 13 तोतों को पेश किया गया। इन तोतों को तस्करी करके उन्हें विदेश भेजा जा रहा था। इस मामले में तोतों की तस्करी करने वाले आरोपी को भी कोर्ट में पेश किया गया। वहीं गिरफ्तार शख्स पर आरोप है कि वह 13 तोतें को तस्करी कर ताशकंद ले जा रहा था। जहां सीआईएसएफ ने आरोपी को तोते के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर कस्टम डिपार्टमेंट को सौंप दिया। दरअसल तोते को अवैध तरीक से तस्करी कर एक आरोपी उज्बेकिस्तान स्थित ताशकंद ले जा रहा था। बताया जा रहा है कि वह खुद ताशकंद का रहने वाला वाला है। मंगलवार को आरोपी को दिल्ली इनटरनेशनल एयरपोर्ट से सीआईएसएफ ने गिरफ्तार किया था और कस्टम डिपार्टमेंट को सौंप दिया था। इस मामले में आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत में पेश किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी जूट के पैकेट में छिपा कर सभी तोते को उज्बेकिस्तान के ताशकंद अवैध तरीके से ले जा रहा था। सीआईएसएफ को जब शक हुआ तो फिर जूते का पैकेट खोल कर चेक किया गया तो उसमें तोते निकले। कस्टम की जांच में पता चला कि वाइल्ड लाइफ एक्ट के मुताबिक तोते की खरीद फरोख्त पर रोक है । कस्टम विभाग के स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर पी सी अग्रवाल ने बताया, कस्टम ने विशेष अदालत को ये भी जानकारी दी है कि आरोपी उज्बेकिस्तान का रहने वाला है और उसने सड़क के किनारे तोते बेचने वालों से इन्हें खरीदा है। इस मामले में जांच जारी है। फिलहाल, कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

भारत में पांच वर्ष से कम वर्ष के बच्चों में 69 प्रतिशत मौतों का कारण कुपोषण: यूनीसेफ

नई दिल्ली। भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में 69 प्रतिशत मौतों का कारण कुपोषण है। यूनीसेफ की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अपनी रिपोर्ट ' द स्टेट ऑफ द वल्ड्र्स चिल्ड्रन 2019 में यूनिसेफ ने कहा कि इस आयु वर्ग में हर दूसरा बच्चा किसी न किसी रूप में कुपोषण से प्रभावित है। इसमें बच्चों का विकास बाधित होने के 35 प्रतिशत मामले, दुर्बलता के 17 प्रतिशत और वजन अधिक होने के दो प्रतिशत मामले हैं। केवल 42 प्रतिशत बच्चों (छह से 23 महीने के आयु वर्ग में) को पर्याप्त अंतराल पर भोजन दिया जाता है और 21 प्रतिशत बच्चों को पर्याप्त रूप से विविध आहार मिलते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 6-8 महीने की आयु के केवल 53 प्रतिशत शिशुओं के लिए समय पर पूरक आहार देना शुरू किया जाता है। भारतीय महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में इसमें कहा गया है कि हर दूसरी महिला में खून की कमी है। यह भी कहा गया है कि पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में खून की कमी सबसे अधिक व्याप्त है। किशोर लड़कियों में यह प्रवृत्ति किशोर लड़कों से दोगुनी है। भारतीय बच्चों के बीच उच्च रक्तचाप, किडनी रोग और मधुमेह जैसे वयस्क रोगों का निदान किया जा रहा है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों में कहा गया है कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से प्रभावित हैं जबकि पांच वर्ष से कम आयु के हर पांचवें बच्चे में विटामिन ए की कमी है, हर तीसरे बच्चे में से एक को विटामिन बी 12 की कमी है । और हर पांच में से दो बच्चे खून की कमी से ग्रस्त हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पोषण अभियान या राष्ट्रीय पोषण मिशन पूरे भारत में पोषण सुरक्षा संकेतकों को बेहतर बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

परम्पराएं तोड़कर बेटियों ने दिया पिता के जनाजे को कंधा

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले पहाड़ी थाना क्षेत्र के उभाका गांव में आज अल्पसंख्यक समुदाय की तीन बेटियों ने समाज की परम्पराओं को तोड़ते हुए न केवल अपने पिता के जनाजे को कंधा दिया अपितु कश्मीर के शोपियां में आतंकवादियो के हाथों मारे गए अपने ट्रक ड्राइवर पिता की हत्या का बदला लेने की कसम खाकर फौज में भर्ती होने का जज्बा भी दिखाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन दिन पहले कश्मीर में भरतपुर के ट्रक ड्राइवर शरीफ खान की आतंकवादियों के हाथों हत्या के बाद कल रात ही शव खाक ए सुपुर्द करने के लिए परिजनों को सुपुर्द किया गया था। आज बेहद शोकाकुल माहौल में जब शरीफ खान की पार्थिव देह को श्मशान ले जाया जा रहा था तो उसकी तीनो बेटियों तस्लीमा(15), मुस्कान(12) और बुसरा (8) ने अपने पिता के जनाजे को कंधा देने की इच्छा जाहिर की जिसे समाज के लोगों ने खुशी खुशी मान लिया। अपने पिता के जनाजे को कंधा देते समय उनकी आंखों में आंसुओं के साथ खून भी बरस रहा था। कंधा देते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने पिता की मौत को व्यर्थ नहीं जाने देंगी और फौज में भर्ती होकर आतंकवादियों से लोहा ले पिता की मौत का बदला लेंगी। तीनों बेटियों ने अपने इस फैसले से प्रशासन को भी अवगत कराया है। को भी अवगत कराया है। तीनों बेटियों ने अपने इस फैसले से प्रशासन को भी अवगत कराया है। अल्पसंख्यक समाज मे महिलाओं द्वारा किसी जनाजे को कंधा देना वर्जित माना जाता है।

अयोध्या विवाद:

CJI ने रद्द की विदेश यात्राएं, रिटायरमेंट से पहले आ सकता है फैसला!

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील अयोध्या मुद्दे पर 17 नवम्बर से पहले ही फैसला आने की उम्मीद है क्योंकि प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई इस दिन सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस मामले में बुधवार की सुबह सुनवाई शुरू होने पर पीठ ने स्पष्ट कर दिया था कि वह पिछले 39 दिनों से अयोध्या भूमि विवाद मामले में सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा था कि इस मामले में सुनवाई पूरी करने के लिए किसी भी पक्षकार को आज (बुधवार) के बाद अब और समय नहीं दिया जाएगा। शीर्ष अदालत ने शुरू में इस विवाद का मध्यस्थता के माध्यम से सर्वमान्य समाधान निकालने का प्रयास किया था। न्यायालय ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश एफएमआई कलीफुल्ला की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति भी गठित की थी लेकिन उसे इसमें सफलता नहीं मिली। इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने सारे प्रकरण पर छह अगस्त से रोजाना सुनवाई करने का निर्णय किया। संविधान पीठ ने अयोध्या में 2.77 एकड़ विवादित भूमि को तीन पक्षकारों- सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला- के बीच बराबर-बराबर बांटने का आदेश देने संबंधी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सितंबर, 2010 के फैसले के खिलाफ दायर 14 अपीलों पर इस दौरान विस्तार से सुनवाई की। शुरूआत में निचली अदालत में इस मसले पर पांच वाद दायर किये गये थे। पहला मुकदमा 'राम लला' के भक्त गोपाल सिंह विशारद ने 1950 में दायर किया था। इसमें उन्होंने विवादित स्थल पर हिन्दुओं के पूजा अर्चना का अधिकार लागू करने का अनुरोध किया था। उसी साल, परमहंस रामचन्द्र दास ने भी पूजा अर्चना जारी रखने और विवादित ढांचे के मध्य गुंबद के नीचे ही मूर्तियां रखी रहने के लिए मुकद्दमा दायर किया था लेकिन बाद में यह मुकदमा वापस ले लिया गया था। बाद में, निर्मोही अखाड़े ने 1959 में 2.77 एकड़ विवादित स्थल के प्रबंधन और शेबैती अधिकार के लिए निचली अदालत में वाद दायर किया। इसके दो साल बाद 1961 में उप्र सुन्नी वक्फ बोर्ड भी अदालत में पहुंचा गया और उसने विवादित संपत्ति पर अपना मालिकाना हक होने का दावा किया। 'राम लला विराजमान' की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश देवकी नंदन अग्रवाल और जन्म भूमि ने 1989 में मुकदमा दायर कर समूची संपत्ति पर अपना दावा किया और कहा कि इस भूमि का स्वरूप देवता का और एक 'न्यायिक व्यक्ति' जैसा है। अयोध्या में 6 दिसम्बर, 1992 को विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना और इसे लेकर देश में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद में सारे मुकद्दमे इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्णय के लिए सौंप दिए गए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के 30 सितम्बर, 2010 के फैसले में 2.77 एकड़ विवादित भूमि तीन पक्षकारों-सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला- के बीच बांटने के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने मई 2011 में उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हुये।

बैंक संकट पर मनमोहन सिंह का वित्त मंत्री पर पलटवार, बोले-खतरे में देश का भविष्य

मुंबई(एजेंसी)।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि मोदी सरकार की भेदभावपूर्ण नीतियों तथा अक्षमता के कारण देश आर्थिक मंदी के संकट में फंस गया है जिसके चलते लोगों की उम्मीद धूमिल हुई हैं और उनका भविष्य अंधकारमय दिखाई देता है। डॉ सिहं ने गुरुवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि देश में मंदी के चलते ही चीन से आयात तेजी से बढ़ा है। इस अवधि में आयात 1.22 लाख करोड़ रुपए बढा है। देश में निवेश नहीं हो रहा है जिसके कारण रोजगार का संकट बढ़ रहा है और युवा कम पैसे में काम करने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में निराशा का माहौल और बेरोजगारी लोगों को भटकने के लिए मजबूर कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार लाने की जरूरत है और इसके लिए सरकार को कदम उठाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि मैंने अभी-अभी वित्तमंत्री निर्मला सीतारम का एक बयान देखा है, मैं उस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा, लेकिन मैं केवल यह बता सकता हूं कि अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए बीमारियों और उनके कारणों का सही निदान करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस मंदी का सबसे बुरा प्रभाव महाराष्ट्र में दिखाई दिया है। राज्य में पिछले पांच साल के दौरान सबसे अधिक फैक्ट्रियां बंद हुई हैं और चार साल से लगातार विनिर्माण की विकास दर घट रही है। रसायन एवं उर्वरक, इलेक्ट्रानिक सामान तथा आटोमोबाइल क्षेत्र में आयात 1.22 लाख करोड रुपए बढ़ा है। डबल इंजिन वाली सरकार का खूब प्रचार किया किया गया लेकिन महाराष्ट्र में यह डबल इंजन फेल साबित हुआ है।

ऑफ द रिकॉर्ड: कांग्रेस में पुराने नेताओं का पूरा दबदबा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

सोनिया गांधी का समर्थन प्राप्त किए पुराने कांग्रेसी नेताओं का दबदबा होने के साथ ही पार्टी में गुटीय लड़ाई चरम सीमा पर पहुंच गई है। राहुल गांधी फिर से सक्रिय हो रहे हैं और उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में प्रचार भी किया है। यह अलग बात है कि उन्होंने हरियाणा के नूंह में केवल एक रैली को ही संबोधित किया है। इस बात का कोई यकीन नहीं कि वह भविष्य में भी रैलियों को संबोधित करेंगे। सोनिया गांधी भी महिंद्रगढ़ में एक रैली को संबोधित कर रही हैं। हरियाणा में पार्टी के लिए कोई स्टार प्रचारक नहीं है। पार्टी की दयनीय स्थिति यह है कि राहुल के सबसे विश्वसनीय समर्थक मिङ्क्षलद देवड़ा और संजय निरूपम उस समय दिखाई नहीं दिए जब राहुल ने मुम्बई में रैलियों को संबोधित किया था। राहुल को एक बड़ा झटका उस समय लगा जब उनके सबसे विश्वसनीय अशोक तंवर ने पार्टी को छोड़ दिया। राहुल गांधी ने तंवर को हरियाणा प्रदेश कांग्रेस का प्रमुख बनाया था। तंवर ने राहुल के स्वदेश लौटने तक का भी इंतजार नहीं किया। भीतरी सूत्रों का कहना है कि अशोक तंवर के फैसले के पीछे उनकी पत्नी अवंतिका का हाथ है जो वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता स्वर्गीय ललित माकन की बेटी हैं। बताया जाता है कि अवंतिका ने इस बात पर जोर दिया था कि सोनिया गांधी ने बार-बार अनुरोध करने के बावजूद तंवर को मिलने का समय नहीं दिया था। जब तंवर ने धमकी दी कि वह उनके निवास के बाहर धरना देंगे तब भी सोनिया अपने स्टैंड से नहीं हिलीं। अब तंवर को कोई लेने को तैयार नहीं है। राहुल खामोश हैं और मनोहर लाल खट्टर ने उनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद कर दिए हैं। अहमद पटेल, गुलाम नबी आजाद, कमलनाथ, अशोक गहलोत और कैप्टन अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुराने कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी पर कब्जा किया हुआ है। अब इन नेताओं ने राहुल गांधी की बजाय प्रियंका गांधी पर अधिक विश्वास दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में राहुल गांधी के वफादारों द्वारा पार्टी नेतृत्व के फैसलों का उल्लंघन किए जाने से पुराने नेताओं के हाथ और मजबूत हो गए हैं।

राहुल गांधी ने जब पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार संभाला था तो उन्होंने अपनी अलग टीम बनाई थी और कई राज्यों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अलावा पार्टी कार्यकारी समिति के सदस्यों को नियुक्त किया था। इनमें से अधिकांश युवा नेता सोनिया का अभी तक विश्वास प्राप्त नहीं कर पाए और अब इनको एक के बाद एक बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है।

दमघोंटू होने लगी दिल्ली की हवा, 'बहुत खराब श्रेणी में पहुंची एयर क्वालिटी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई इलाकों में गुरुवार सुबह भी विषैली धुंध छाई और वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब श्रेणी में रही। वहीं 15 अक्तूबर से 15 नवंबर का समय बहुत अहम माना जाता है जब पंजाब और आसपास के राज्यों में पराली जलाने की सर्वाधिक घटनाएं सामने आती हैं। यह दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ने का सबसे प्रमुख कारण है। दिल्ली सरकार ने एक बयान में कहा कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता पिछले 7-8 महीने से अच्छी या मध्यम स्थिति में थी, लेकिन अब प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया है। वहीं केंद्र द्वारा संचालित वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली (सफर) के मुताबिक दिल्ली में अभी हवा की गुणवत्ता और खराब होगी क्योंकि दिवाली पर पटाखे चलाए जाने के बाद उठने वाला धुआं भी आबोहवा खराब करेगा। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में जलाई जा रही पराली के कारण दिल्ली लगातार खराब स्तर पर आ रही है। पिछले एक सप्ताह से हवा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट के मद्देनजर केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने आज पांचों संबद्ध राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय आपात बैठक बुलाई है।

केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में वायु प्रदूषण रोकने के लिए राज्य सरकारों के स्तर पर अब तक किए गएउपायों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के पर्यावरण मंत्रियों और अतिरिक्त मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिव (पर्यावरण) को बुलाया गया है।

सौरभ गांगुली के राजनीति में आने की अटकलें, ममता बनर्जी बोलीं- हम लगातार संपक में

कोलकाता(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली के भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के नए अध्यक्ष बनने जाने पर कहा कि यह बंगाल के लिए विशेष दिन है। साथ ही उन्होंने कहा कि सौरभ गांगुली बंगाल का अपना लड़का है। दरअसल ममता का बयान ऐसे समय में आया है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि सौरभ अब राजनीति में भी कदम रख सकते हैं। हाल ही में सौरभ गांगुली ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी जिसके बाद से ऐसी अफवाहें उड़ी रही हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि सौरभ हमारा अपना लड़का है और हम दोनों एक-दूसरे से संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि हमने कल भी एक-दूसरे को मेसेज किया था। दुर्गा पूजा से पहले सौरभ मुझसे मिलने आए थे। मैं आगे भी उनसे बात करूंगी। वहीं शाह से मुलाकात पर सौरभ गांगुली ने कहा था कि वह पहली बार उनसे मिले हैं। सौरभ ने कहा था कि मैंने शाह से बीसीसीआई के अध यक्ष के रूप में मेरी दावेदारी को प्रभावित करने के लिए कुछ नहीं कहा और न ही उन् होंने मुझसे अध यक्ष चुने जाने पर इसके बदले में कुछ करने को कहा है। इसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है।

संपादकीय

सुनवाई के बाद

दलीलें खत्म, अब उम्मीद बांधने का समय है। डेढ़ सदी से भी ज्यादा पुराने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर अंतिम अदालती फैसले तक पहुंचने का समय अब शायद ज्यादा दूर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने मामले की सुनवाई पूरी कर ली है और इसके साथ ही यह उम्मीद भी बंध गई है कि एक महीने के भीतर ही अदालत का फैसला हमारे सामने होगा। इस उम्मीद का सबसे बड़ा कारण यह है कि एक महीने बाद ही इस संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई रिटायर हो जाएंगे। माना यही जा रहा है कि वह अपनी इस पारी का समापन देश के न्यायिक इतिहास के सबसे बड़े मुकदमे के साथ करेंगे। फैसला क्या होगा, यह इंतजार तो सभी को है, क्योंकि मामला अपने आप में काफी उलझा हुआ है। एक तरह से देखें, तो यह सिर्फ एक जमीन की मिल्कियत का विवाद है। वक्फ बोर्ड की जमीन है, जहां कभी बाबरी मस्जिद की इमारत खड़ी थी। इस ढांचे को राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों ने गिरा दिया था। वहीं एक अस्थाई टेंट में रामलला की मूर्ति है, जो इस मामले में एक पार्टी भी है। फिर यह मामला एक समुदाय की आस्था से जुड़ा है, तो दूसरे की आशंकाओं से। इसके साथ ही अदालत के सामने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला है, जिसे प्रबंधन की भाषा में आउट ऑफ बॉक्स कहा जा सकता है। इसमें उच्च न्यायालय ने विवादित जमीन का विभाजन करके सभी पक्षों के लिए प्रावधान किया था। हालांकि इस फैसले से कोई भी पक्ष खुश नहीं हुआ, लेकिन कोई पूरी तरह नाराज भी नहीं हुआ था। लेकिन कानूनी पेचीदगियों से ज्यादा जटिल इस मामले की संवेदनशीलता है। कोई भी फैसला देश की आबादी के एक बड़े हिस्से के मनोविज्ञान पर असर डाल सकता है। अच्छी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने शुरू से इस जोखिम को समझा और फूंक-फूंककर कदम रखा। इस मामले में संबंधित पक्षों के बीच समझौता कराने की न जाने कितनी कोशिशें हो चुकी हैं, लेकिन वे नाकाम ही रहीं। फिर भी, सुप्रीम कोर्ट ने शुरुआत यह मानकर की कि एक और कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है। इसके लिए मध्यस्थ पैनल भी नियुक्त किया, मध्यस्थ पैनल जब किसी नतीजे पर पहुंचने में नाकाम रहा, तभी अदालत ने हर रोज की सुनवाई शुरू की। लगातार 39 कार्यदिवसों तक चली मैराथन सुनवाई के बाद बुधवार को आखिरी दिन अदालत में जो नाटकीयता दिखी, वह दरअसल दबाव के चरम पर पहुंच जाने का संकेत भी थी। किसी भी मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उम्मीद यही की जाती है कि सभी पक्ष फैसले को सिर-माथे पर लेंगे। यही संभवतः इस मामले में भी होगा। लेकिन चुनौती इससे आगे कहीं है। यह मामला जन-समुदायों की मानसिकता से जुड़ गया है और इसीलिए संवदेनशील भी है। संबंधित पक्षों व उनसे जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक संगठनों के लिए सिर्फ फैसले को सिर-माथे लेना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरी यह है कि जीत का ऐसा जश्न न हो, जो किसी को चिढ़ाता हुआ लगे और हार का ऐसा मातम न हो कि किसी तनाव का कारण बन जाए। एक महीने के भीतर ही जब अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आएगा, तो यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व व सामाजिक सद्भाव के लिए परीक्षा का क्षण भी होगा।

आज के ट्वीट

बढ़ावा

वित्तीय लेनदेन के लिए डिजिटल पेमेंट सबसे आसान व सुरक्षित तरीका है। मोदी सरकार डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। - अनुराग ठाकुर कार्यालय

तनाव घटा मगर बाकी हैं चुनौतियां

जी. पार्थसारथी

मल्लापुरम में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता से चीन-भारत के रिश्तों में सुधार आने का अहसास हो रहा है। जबकि हाल ही में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर चीन ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के प्रति अपेक्षाकृत कम मैत्रीपूर्ण रुख अख्तियार किया था। हालांकि, अब लग रहा है कि भारत और चीन दोनों ही आपसी सहयोग, द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर सहयोग बनाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। इससे यह उम्मीद बंधी है कि आने वाले दिनों में कई शिखर सम्मेलनों जैसे कि ब्रिक्स, जी-20 और एसियान संगठन द्वारा आयोजित पूर्वी एशिया सम्मेलन और यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र के आम इजलास में भी, भारत और चीन के बीच अनेकानेक विषयों, मसलन वैश्विक व्यापार से लेकर पर्यावरण में बदलाव के विषयों पर नजदीकी सहयोग देखने को मिलेगा। मल्लापुरम वार्ता में भारत और चीन के बीच जिन विषयों पर सहमति बनी है उसमें सीमा पर तनाव न बढ़ पाए या स्थिति हाथ से न निकल जाए, उसके लिए उपायों को सुदृढ़ करना सुनिश्चित किया जाएगा। निःसंदेह चीन को अहसास होगा कि पाकिस्तान के उकसावे में आकर कश्मीर को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बनाने के लिए जो कुछ उसने किया है, उससे अपनी साख को ही नुकसान पहुंचाया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक भी स्थाई सदस्य अथवा अस्थाई सदस्य ने चीन द्वारा कश्मीर को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था, अलबत्ता ब्रिटेन ने अपने चरित्र के अनुरूप दोगली भूमिका जरूर अदा की थी। हालात यहां तक बन गए कि चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर औपचारिक विचार करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत तक नहीं कर सका था। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भी चीन को अपनी कोशिशों में मुंह की खानी पड़ी थी। आलम यह था कि संयुक्त राष्ट्र के आम सत्र में जब चीन ने कश्मीर विषय को उठाया तो हाजिर 193 मुल्कों में से महज 3 देशों यानी चीन, मलेशिया और तुर्की ने पाकिस्तान के समर्थन में अपनी आवाज उठाई थी!

लेकिन मल्लापुरम में माहौल एकदम सौहार्दपूर्ण और दोस्ताना रहा है। इस भेंट में जिन मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद हैं, उनको सुलझाने के लिए प्रयास करने, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में निकट द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने, अस्पष्ट सीमा की वजह से समय-समय पर उठ खड़े होने वाले तनावों को काबू में रखने की दिशा पर सहमति बनी है। तथापि यह पता नहीं है कि हिंद महासागर क्षेत्र में, हमारे ठीक पास-पड़ोस में, अपना वर्चस्व बनाने की राह पर चला चीन क्या इस इलाके में भारत के प्रभाव को कमतर करने के अपने प्रयासों कोई अंतर लाएगा? मालदीव से लेकर श्रीलंका और म्यांमार से लेकर नेपाल तक में चीन उनके आंतरिक मामलों में गुपचुप दखलअंदाजी कर रहा है। हमें सावधानीपूर्वक नजर बनाए रखनी होगी कि अगले महीने श्रीलंका में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव में चीनी सरकार का व्यवहार किस तरह का रहता है। निःसंदेह आगे भी चीन पाकिस्तान को अपना सामरिक, सैन्य, आर्थिक और राजनयिक समर्थन लगातार जारी रखेगा। निरंतर बढ़ते जा रहे जिस किस्म के आर्थिक संकट का सामना पाकिस्तान को करना पड़ रहा है, उससे वह हाथ में भीख का कटोरा पकड़ने को मजबूर हो गया है और खैरात पाने के लिए वह दुनियाभर के मुल्कों के अलावा बहुपक्षीय सहायता संगठनों के सामने हाथ फैला रहा है। वहीं सैन्य क्षेत्र में पाकिस्तान की नौसेना चीन निर्मित नवीनतम फ्रिगेट और पनडुब्बियां प्राप्त करने जा रही है। हाल फिलहाल जिस बात को लेकर चीन परेशान है, वह भारत और अमेरिका बीच बने रिश्ते न होकर रूस के साथ हमारे संबंधों में बनती प्रगाढ़ता को लेकर है। चीन को कतई यह उम्मीद नहीं थी कि अमेरिका के संभावित प्रतिबंधों की परवाह न करते हुए भारत रूस से एस-400 मिसाइलरोधी सुरक्षा प्रणाली की खरीद कर गुजरेगा। इसके अलावा रावलपिंडी के सेना मुख्यालय में बैठे पाकी जरनलों और चीन को जरा भी अपेक्षा न थी कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी को दो टूक शब्दों में कह देंगे कि रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मामले को उठाने के कदम का हरचंद विरोध करेगा।

रूस के पूर्वी प्रांत की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने उस इलाके के विकास हेतु 1 बिलियन डॉलर के भारतीय निवेश की पेशकश की है, यह संवेदनशील इलाका वह है जो चीन की सीमा से लगता है और जहां वर्ष 1969 में रूस और चीन के बीच खूनी युद्ध हुआ था। पूर्वी रूस की मोदी की यात्रा के संदर्भ में चीन का सरकारी समाचारपत्र ग्लोबल टाइम्स लिखता है : 'भारत-रूस के संबंधों में और आगे बनती प्रगाढ़ता से अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में बहु-ध्रुवीकरण बनेगा और एशिया में भारत की भूमिका में मजबूती आएगी। इन संबंधों के बनने से चीन पर और ज्यादा भू-राजनीतिक दबाव बनेगा और चीन के साथ लगते इलाकों में असंतुलन बढ़ेगा।' चीन और भारत दोनों ही ट्रंप प्रशासन की अनेक नीतियों को लेकर असहज हैं। हाल ही में ट्रंप ने दावा किया कि तालिबान से और आगे बातचीत नहीं की जाएगी और अफगान सरकार को हमारा पूरा समर्थन है तो उनके इन खोखले बयानों से भारत जरा भी प्रभावित नहीं हुआ है। इन बयानों के पीछे एक बड़ा कारण पेंटागन और गृह विभाग का बना दबाव था कि जैसे भी हो, उन्हें हर हाल में अफगान सरकार के साथ खड़ा हुआ दिखना है। लेकिन जैसे ही तालिबान ने संकेत दिया कि वह अफगानिस्तान में शांति बनाने को तैयार हैं (जाहिर है पाकिस्तान के दबाव तले) वैसे ही ट्रंप के विशेष दूत जलमई खालिजाद आननफानन में इस्लामाबाद पहुंचकर तालिबान को युद्धविराम कायम रखने और शांति वार्ता फिर से शुरू करने पर टिके रहने के लिए मनाने लगे।

ट्रंप सीरिया से भी अमेरिकी सैनिकों की घर वापिसी करवा कर अपने देश के अंदर युद्धविरोधी भावुकता को खुश करना चाहते हैं। उन्हें उम्मीद है कि इमरान खान तालिबान को युद्धविराम के लिए मनाकर अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों का बाइज्जत वापिसी करवाने में उनकी मदद करेंगे। इसके बाद ट्रंप यह घोषणा करने लायक हो जाएंगे कि 'देखो, मैंने तमाम विदेशी भूमि पर मौजूद अपने सभी सैनिकों की वापिसी करवा दी है जो वहां अमेरिकी हितों से इतर किसी और की लड़ाई लड़ रहे हैं और इस तरह अगले साल 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उनकी सुरक्षित वतन वापिसी सुनिश्चित करवा दी है।' लेकिन संसद के एक सदन में बहुमत रखने वाली विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी द्वारा ट्रंप के खिलाफ शुरू करवाई गई महाभियोग की प्रक्रिया के मद्देनजर वतन वापिसी के इस कार्ड को ट्रंप मतदाताओं के बीच किस हद तक भुना पाएंगे, यह देखना बाकी है। इधर अगर इमरान खान सोचते हैं कि अफगानिस्तान में आग के दरिया में फंसे अमेरिकी सैनिकों की वतन वापिसी में सहयोग करने पर अमेरिकी लोग उनके अहसान तले दब जाएंगे तो यह भी उनका मुगालता है। प्रधानमंत्री मोदी इस तथ्य से संतोष महसूस कर सकते हैं कि चीन के प्रयासों और पाकिस्तान से उसके गठजोड़ के बावजूद भारत ने अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद विदेशों से आए दवाबों का सामना सफलतापूर्वक कर दिखाया है। अब भारत इन बाहरी चुनौतियों के बावजूद देश की सामरिक स्वायत्तता कायम रखने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने की ओर बढ़ सकता है। इधर कश्मीर में लोगों की जिंदगी को सुचारु बनाने के उद्देश्य से मोबाइल फोन सर्विस बहाल करने के बाद उम्मीद है कि कश्मीर घाटी में हालात सामान्य करने की दिशा में अन्य उपाय अमल में लाए जाएंगे।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

आलस्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

दरिद्रता भयानक अभिशाप है। इससे मनुष्य के शारीरिक, पारिवारिक, सामाजिक, मानसिक एवं आत्मिक स्तर का पतन हो जाता है। कहने को कोई कितना भी सन्तोषी, त्यागी एवं निस्पृह क्यों न बने किन्तु जब दरिद्रता जन्य अभावों के थपेड़े लगते हैं तब कदाचित ही कोई ऐसा धीर-गम्भीर निकले जिसका अस्तित्व कांप न उठता हो। यह दरिद्रता की स्थिति का जन्म मनुष्य के शारीरिक एवं मानिसक आलस्य से ही होता है। गरीबी, दीनता, हीनता आदि कुफल आलस्यरूपी विषबेलि पर ही फला करते हैं। आलसी व्यक्ति परावलम्बी एवं पर भाग भोगी ही होता है। इस धरती पर परिश्रम करके ही अन्न-वस्त्र की व्यवस्था हो सकती है। यदि परमात्मा को मनुष्य की परिश्रमशीलता वांछनीय न होती तो वह मनुष्य का आहार रोटी वृक्षों पर उगाता। बने बनाए वस्त्रों को घास-फूस की तरह पैदा कर देता। मनुष्य को पेट भरने और शरीर ढकने के लिए भोजन-वस्त्र कड़ी मेहनत करके ही पैदा करना होता है। नियम है कि जब सब खाते-पहनते हैं तो सबको ही मेहनत और काम करना चाहिए। इसका कोई अर्थ नहीं कि एक कमाये और दूसरा बैठा-बैठा खाए। कोई काम किये बिना भोजन-वस्त्र का उपयोग करने वाला दूसरे के परिश्रम का चोर कहा गया है। अवश्य ही उसने हराम की तोड़कर संसार के किसी कोने में श्रम करते हुए किसी व्यक्ति का भाग हरण किया है। दूसरे का भाग चुराना नैतिक, सामाजिक और आत्मिक रूप से पाप है और अकर्मण्य आलसी इस पाप को निर्लज्ज होकर करते ही रहते हैं। जो खाली ठाली रहकर निठल्ला बैठा रहता है उसका शारीरिक ही नहीं मानसिक और आध्यात्मिक पतन भी हो जाता है। ''खाली आदमी शैतान का साथी' वाली कहावत आलसी पर पूरी तरह चरितार्थ होती है। जो निठल्ला बैठा रहता है उसे तरह-तराह की खुराफातें सूझती रहती हैं। यह विशेषता परिश्रमशीलता में ही है कि वह मनुष्य के मस्तिष्क में विकारपूर्ण विचार नहीं आने देती पुरु षार्थी व्यक्ति को इतना समय ही नहीं रहता कि वह काम से फुरसत पाकर ऊहापोह में लगा रहेगा और अकर्मण्य आलसी के पास इसके सिवाय कोई काम नहीं रहता, निदान उसे अनेक प्रकार की ऐसी विकृतियां और दुर्गुण घेर लेते हैं जिससे उसके चरित्र का अधःपतन हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।

पानीदार आदिवासी इलाकों में अकाल की छाया

पर्यावरण विरोधी नीति/ अमरेंद्र किशोर

कभी झारखंड का पलामू पानीदार था। पश्चिमी ओडिशा की आबोहवा में भी सालों भर नमी रहा करती थी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पानी से उपजी खुशियां वहां के लोकगीतों में छलकती थीं। ये सभी आदिवासी बहुल इलाके हैं जहां कभी पानी संग्रह करने की तरह-तरह की तरकीबें थीं मगर अब उन इलाकों में पानी कम, ज़मीन पर अंगारों की खेती ज्यादा होती है। जनवरी गुजरते ही धरती का थन सूखने लगता है। हवाएं गर्म रुख अपनाती हैं। सूखे से जुड़ी खबरें अकाल की दस्तक का आगाज करतीं हैं। कुओं का पेंदा नजर आने लगता है और हैंडपंप हिचकियां ले दम तोड़ देते हैं।

ये तमाम पंक्तियां रेणु की 'परती परिकथा' का हिस्सा नहीं हैं बल्कि उस आदिवासी भारत का सच है, जिसके नाम पर राहत की झोलियां फैलाये राज्य सरकारें आत्मदया का एकांकी खेलती हैं। जंगलों की अंधाधुंध कटाई से आदिवासी इलाके बंजर और बदहाल हुए। नदियां सूखने लगीं। अनगिनत झरने और अन्य जलस्रोतों का अस्तित्व मिटता चला गया। जंगल नहीं होने की वजह से बारिश की मात्रा में कमी आयी, जिससे धरती की कोख का पानी सूखता चला गया। जंगल सिकुड़ते गए तो साथ में खेती को लेकर अफरातफरी मचने लगी। उपाय की बात शुरू हुई तो कहीं कुएं खोदे गए तो कहीं धरती की छाती खुरचकर तालाब बनाये गए। लेकिन नतीजा न तो समाज के पक्ष में रहा, न ही स्थानीय पर्यावरण के। हालत ऐसे हुए कि पलामू के सूखे के नाम पर कागजों पर हजारों कुएं खोदे गए। हकीकत में हर कदम पर एक कुएं की तस्वीर उभरकर सामने आयी। कालाहांडी के सूखे के निवारण के नाम पर करीब पैंतीस सालों में जितने पैसे गांवों में उलीचे गए, वास्तविकता में उतनी रकम से वहां की पूरी धरती को ढका जा सकता है। सरकारों ने आदिवासी आबादी और ज़मीन का मनमाना इस्तेमाल किया है। झारखंड-ओडिशा और मध्य प्रदेश की लाल माटी की बेहद उपजाऊ ज़मीन पर उत्तम खेती को लेकर सरकार ने तरीके से मन बनाया ही नहीं। आदिवासी इलाकों में नकारात्मक राजनीति और प्रशासन की दखल के कारण समाज का ज़मीन से नाता जुड़ा नहीं रह पाया। बल्कि जरूरतमंद आदिवासियों ने राहत और स्पेशल पैकेज के बूते जिंदगी जीना बेहतर समझा। दरअसल, राज्य सरकारों और केंद्र सरकार ने दया-दान-पुण्य की राजनीति के तहत किसानों के बीच खैरात के चावल बांटकर ज़मीन को परती रखने की परम्परा शुरू की। हालात इस कदर खराब हुए कि इन आदिवासी इलाकों में चावल की देशावरी (इंडिजेनस) किस्म की लगभग 500 प्रजातियां उगाना किसान भूल गये। हालांकि, विशेषज्ञों ने ऐसा नहीं करने की नसीहत सरकार को दी थी। लेकिन सच तो यही है कि वोटतंत्र की सरकारें ऐसे मामलों में लालचवश तानाशाह होकर निरंकुश फैसले लेती हैं, भले ही अमानत में खयानत हो जाए। माटी की सेहत और देशज नस्ल के पेड़ों को बचाकर उन्हें लोकोपयोगी बनाने की दिशा में एक से एक प्रयोग किये जा चुके हैं। ख़ासतौर से जलछाजन के जरिये सफलता और समृद्धि की एक से एक गाथाएं देश के लोकमानस में गेय हैं। ऐसे में भविष्य डरा रहे हैं— विशेषकर उस हालात में जब दुनिया भर से खेती के चौपट होने और जलवायु परिवर्तन से हो रही बर्बादी के उदाहरण प्रेत-कथाओं की तरह रोंगटे खड़े कर देते हैं। यदि निवारण के रूप में जलछाजन के लिए व्यावहारिक योजना को अमल में लाएं तो परिणाम बेहतर होंगे। इसके तहत जगह-जगह चौकोर गड्ढे खोदकर बारिश का पानी जमा किया जाता है जो मानसून लौटने के बाद जाड़े के दिनों में और कभी-कभार फरवरी महीने तक पानी की जरूरतों को पूरा करता है। जिन ऊपरी भूमि में बारिश जाते ही सूखे के हालात पैदा हो जाते हैं, माटी में नमी नहीं रह जाती तो सवाल उठता है कि इनसान और खेत को पानी कैसे मिले। इसके लिए पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के तक़रीबन पांच दर्जन गांवों, झारखण्ड के रांची जिले के कुछेक गांवों में जमीन के ढालूपन का आंकलन और विश्लेषण कर समाज को पानीदार बनाने का काम पूरा किया गया है और साथ में फसलों को सालों भर पानी मिलता है। इसलिए जरूरत है किसानों को खेती के विभिन्न तकनीकों में दक्ष करना और परम्परागत ग्रामीण प्रौद्योगिकी को भी पुनर्जीवित किया जाए। यदि माटी और मौसम के अनुकूल किसान बागवानी का सहारा लें और अपने इलाके के उन परंपरागत पौधों को अपनाएं तो हालात बेकाबू नहीं हो सकते। संक्षेप में, गांवों के जल-संकायों को बचाये बगैर सूखे से मुक्ति की परिकल्पना बेमानी है। वैसे जलछाजन से एक पीढ़ी आगे बढ़कर झारखण्ड में नीरांचल योजना 2018 में विश्व बैंक के सहयोग से शुरू की गयी है, जिसके नतीजे को लेकर ढेर सारी उम्मीदें हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को इस साल 306 करोड़ रुपए के वेतन-भत्ते मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व की दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के एक साल में वेतन-भत्ते में 66 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2018-19 में नडेला को कुल 306.43 करोड़ रुपए यानी 4.29 करोड़ डॉलर के वेतन-भत्ते मिले हैं। वहीं वित्त वर्ष 2017-18 में सत्या नडेला को 184.28 करोड़ रुपए यानी 2.58 करोड़ डॉलर मिले थे। बता दें कि कंपनी का वित्त वर्ष 1 जुलाई से 30 जून तक होता है। इस संदर्भ में कंपनी ने बताया कि बोर्ड ने कारोबारी लक्ष्य हासिल करने और कंपनी के शेयर की कीमत बढ़ने की वजह से नडेला के कंपनसेशन में बढ़ोतरी की है। साल 2014 की तुलना में 4.29 करोड़ डॉलर के वेतन-भत्ते आधा है। 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को 8.43 करोड़ डॉलर के वेतन-भत्ते मिले थे। सत्या नडेला के नेतृत्व में पिछले पांच सालों में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 509 अरब डॉलर बढ़ा है और कंपनी का टोटल शेयरहोल्डर रिटर्न 97 फीसदी बढ़ा है। पिछले वर्ष माइक्रोसॉफ्ट सबसे ज्यादा वैल्यूएशन वाली कंपनी बनी थी। मौजूदा समय में माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण 1,072 अरब डॉलर है। माइक्रोसॉफ्ट पिछले साल ऐपल को पीछे छोड़ दुनिया की सबसे ज्यादा वैल्यूएशन वाली कंपनी भी बनी थी। माइक्रोसॉफ्ट का मौजूदा बाजार पूंजीकरण 1072 अरब डॉलर और ऐपल का 1059 अरब डॉलर है।

एसबीआई ने लांच किया कार्ड पे, शॉपिंग पर पेमेंट के लिए नहीं होगी कार्ड और पिन की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने आज एसबीआई कार्ड पे सुविधा लांच किया। इसके प्रयोग से ग्राहक मोबाइल फोन के जरिए प्वाइंट ऑफ सेल पर कॉन्टैक्टलेस पेमेंट कर सकते हैं। एसबीआई कार्ड पे से नियर फील्ड कॉम्युनिकेशन वाले पीओएस पर मोबाइल पर टैप करते ही पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए पास में क्रेडिट कार्ड रखने और पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। भारत में यह अपनी तरह का पहला पेमेंट सॉल्यूशन है। इस तकनीक की मदद से लोग मोबाइल फोन के जरिए तेज, सुविधाजनक और अधिक सुरक्षित पेमेंट कर सकेंगे। यह देश में अपनी तरह का पहला पेमेंट सॉल्यूशन है। इसे एसबीआई कार्ड मोबाइल ऐप के हिस्से के तौर पर डेवलप किया गया है। एसबीआई कार्ड के एमडी और सीईओ हरदयाल प्रसाद ने कहा कि एसबीआई कार्ड पे कस्टमर्स को हर ट्रांजैक्शन और रोजाना लेन-देन की लिमिट तय करने की सुविधा देगा। फिलहाल होस्ट कार्ड एम्युलेशन पर आधारित ऐप प्रति ट्रांजैक्शन 2,000 रुपए तक की लिमिट और रोजाना 10,000 रुपए के ट्रांजेक्शन की अनुमति देते हैं, जिससे इस फीचर का सीमित प्रयोग हो पाता है। बता दें कि एसबीआई बैंक ने 1 अक्टूबर से एवरेज मंथली बैलेंस, जमा, निकासी, और एटीएम जैसी सुविधाओं के लिए लगने वाले शुल्क में कई बदलाव किए हैं। ये सारे बदलाव एक अक्टूबर से लागू हो गए हैं।

मनमोहन सिंह को अपनी नाकामियों पर विचार करना चाहिए: पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें अपनी नाकामियों पर विचार करना चाहिए। गोयल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को उन परिस्थितियों और कारणों पर बात करनी चाहिए जिनकी वजह से वह नाकाम हुए और अर्थव्यवस्था की मजबूती को कायम नहीं रख सके। इससे पहले डा सिंह ने मुंबई में कारोबारियों के एक कार्यक्रम में कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार लाने की जरूरत है और इसके लिए सरकार को कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए कारणों का सही निदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया किया गया लेकिन महाराष्ट्र में यह डबल इंजन फेल साबित हुआ है। गोयल ने कहा कि डा. सिंह को अपनी गलतियों पर विचार करना चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि वह अर्थव्यवस्था की मजबूती क्यों कायम नहीं रख सके और ईमानदार सरकार क्यों नहीं दे सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अपने शासनकाल के दौरान डा. सिंह इतने असहाय क्यों थे कि उन्हें 10 जनपथ के आदेशों का पालन करना पडता था और वह अपने बलबूतें कोई फैसला नहीं कर सकते थे।

पीएमसी बैंक घोटाला: पूर्व जॉय थॉमस को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के प्रबंध निदेशक जॉय थॉमस और पूर्व निदेशक एस सुरजीत सिंह अरोड़ा को आज मुंबई की एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया है। कोर्ट ने जॉय थॉमस को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में और सुरजीत सिंह को 22 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। बता दें कि इससे पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की विशेष जांच टीम ने बुधवार को सुरजीत सिंह से पूछताछ की थी। इस पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले बैंक के पूर्व चेयरमैन वारयाम सिंह, प्रबंध निदेशक जॉय थॉमस और एचडीआईएल के मालिक राकेश व सारंग वाधवन को गिरफ्तार किया गया था। गौरतलब है कि पीएमसी बैंक के पूर्व एमडी जॉय थॉमस ने 2005 में इस्लाम कबूल कर अपनी पर्सनल असिस्टेंट से शादी कर ली थी। पति-पत्नी के नाम पुणे में 9 फ्लैट और एक दुकान है। इस बात की जांच की जा रही है कि इतनी प्रॉपर्टी खरीदने के लिए पैसा कहां से आया। पुलिस ने बताया कि थॉमस ने धर्म परिवर्तन के साथ नाम बदलकर जुनैद खान रख लिया था, लेकिन वित्तीय रिकॉर्ड में जॉय थॉमस ही रखा। इस तरह वह दोहरी जिंदगी जी रहा था। पुणे की संपत्तियों के अलावा थॉमस के नाम ठाणे में भी एक फ्लैट और कमर्शियल प्रॉपर्टी है जो पहली पत्नी और बेटे के नियंत्रण में है। थॉमस की पहली पत्नी को पति की दूसरी शादी के बारे में पता चला तो उसने तलाक की अर्जी दाखिल कर दी। इसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

पीएमसी बैंक की 137 शाखाएं हैं और यह देश के टॉप-10 को-ऑपरेटिव बैंकों में से एक है। आरोप के मुताबिक पीएमसी बैंक के मैनेजमेंट ने अपने नॉन परफॉर्मिंग एसेट और लोन वितरण के बारे में आरबीआई को गलत जानकारी दी है।

संक्षिप्त समाचार

रिजर्व बैंक ने एसबीएम बैंक पर लगाया 3 करोड़ रुपए का जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक ने बुधवार को एसबीएम बैंक (इंडिया) पर 3 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना एसबीएम बैंक (मारीशस) द्वारा नियामकीय नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर लगाया गया है। एसबीएम बैंक (मारीशस) का एसबीएम बैंक (इंडिया) में विलय हो गया है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि यह जुर्माना एसबीएम बैंक (मारीशस) द्वारा केंद्रीय बैंक द्वारा 'स्विफ्ट (सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन) संबंधित परिचालन नियंत्रण तथा साइबर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर जारी निर्देशों के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर लगाया गया है।

बजाज चेतक स्कूटर अवतार में आया वापस, इसकी नई कीमत

नई दिल्ली । दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ने अपने लोकप्रिय स्कूटर ब्रांड चेतक को इलेक्ट्रिक संस्करण में पेश किया गया। बैटरी चालित चेतक की बिक्री जनवरी में पुणे से शुरू की जा सकती है। उसके बाद इसे बंगलुरु तथा अन्य बाजारों में ले जाया जाएगा। यह स्कूटर कंपनी के चाकन संयंत्र में बनाया जाएगा और कंपनी के प्रो-बाइकिंग डीलरों के जरिये बेचा जाएगा। कंपनी ने अगले साल से इसे यूरोपीय बाजारों में ले जाने की योजना भी बनायी है। भारतीय बाजार में करीबन 14 साल बजाज चेतक की इलेक्ट्रिक वर्जन में वापसी हुई है। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अमिताभ कांत तथा बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज की उपस्थिति में इस स्कूटर को प्रदर्शित किया। बजाज ने इलेक्ट्रिक क्षेत्र में उतरने के बारे में कहा कि वह दोपहिया वाहन श्रेणी में स्थापित कंपनियों में से सबसे पहले इस श्रेणी में उतरना चाहती है। कंपनी ने अभी ई-स्कूटर की कीमत की जानकारी नहीं दी है, लेकिन उसने कहा कि यह 1.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। गडकरी ने इस मौके पर कहा कि वाहन उद्योग का भविष्य पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों में निहित है।

मुंबई सहकारी बैंक घोटाला: पीएमसी बैंक के पूर्व निदेशक सुरिंदर सिंह अरोड़ा गिरफ्तार

मुंबई। पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व निदेशक सुरिंदर सिंह अरोड़ा को मुंबई के इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने गिरफ्तार किया है। बुधवार को उनसे पीएमसी बैंक घोटाले को लेकर पूछताछ भी की गई। अरोड़ा बैंक की ऋण समिति के सदस्य थे। बता दें कि पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक में घोटाला होने की खबर के बाद इसके तीन खाता धारकों की मौत हो चुकी है। इस में से दो खाताधारक संजय गुलाटी और फत्तोमल पंजाबी की हार्ट अटैक से मौत हुई है। वहीं 39 वर्षीय खाताधारक और डॉक्टर ने वरसोवा इलाके में अपने घर में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। हालांकि एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को नहीं लगता कि इस आत्महत्या का संबंध पीएमसी बैंक के संकट और हजारों जमाकर्ताओं पर आई वित्तीय परेशानी से है। घोटाला सामने आने के बाद से जमाकर्ता अपने बैंक से धन नहीं निकाल पा रहे हैं क्योंकि बैंक की स्थिति को देखते हुए कई तरह के प्रतिबंध लगे हुए हैं। ऐसे में जमाकर्ता दिल्ली की अदालत के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएमसी बैंक फिलहाल रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त प्रशासक के अंतर्गत काम कर रहा है। बैंक के पूर्व प्रबंधकों की पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा जांच कर रही है। पीएमसी 11,600 करोड़ रुपये से अधिक जमा के साथ देश के शीर्ष 10 सहकारी बैंकों में से एक है।

दिल्ली-तिरुवनंतपुरम् उड़ान शुरू करेगी विस्तारा

नई दिल्ली । टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के संयुक्त उपक्रम वाली विमान सेवा कंपनी विस्तारा अगले महीने तिरुवनंतपुरम् के लिए उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइन ने बताया कि दक्षिण भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुये वह नौ नवंबर से दिल्ली और तिरुवनंतपुरम् के लिए दैनिक उड़ान शुरू करेगी। यह उसके नेटवर्क में शामिल होने वाला 33वाँ गंतव्य होगा। इस मार्ग पर सभी करों एवं शुल्कों समेत इकोनॉमी श्रेणी का शुरुआती किराया 5,299 रुपये और बिजनेस श्रेणी का शुरुआती किराया 21,999 रुपये रखा गया है। विस्तारा ने पिछले दो महीने में छह नये घरेलू तथा तीन विदेशी गंतव्यों को अपने नेटवर्क में शामिल किया है।

समय से निपटा लें अपने जरूरी काम, लगातार 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

बिजनेस डेस्क। अगर आपका बैंकिंग से जुड़ा कोई काम है तो जल्द करें क्योंकि इस महीने बैंक लगातार चार दिनों के लिए बंद रहेंगे। दिवाली से ठीक पहले बैंकों में हड़ताल रहने की संभवाना है। भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने 10 बैंकों के विलय के विरोध में 22 अक्टूबर को हड़ताल की घोषणा की है। इस हड़ताल में अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ और भारतीय बैंक कर्मचारी परिसंघ भी शामिल रहेंगे। 22 अक्टूबर के बाद 27 अक्टूबर को दिवाली और रविवार है। लिहाजा 27 अक्टूबर को भी बैंकों की छुट्टी रहेगी। दिवाली के बाद 28 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा के कारण देश के अलग- अलग हिस्सों में बैंक नहीं खुलेंगे। इसके अलावा 29 अक्टूबर को भैय्या दूज का त्यौहार मनाया जाएगा, जिसके चलते बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। बता दें कि बीते दिनों सरकार ने 10 सरकारी बैंकों को मिलाकर 4 बड़े बैंक बनाने का फैसला किया है। बैंक कर्मचारी इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं आंध्रा बैंक, इलाहाबाद बैंक, सिंडिकेट बैंक, कॉर्पोरेशन बैंक, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का अस्तित व नहीं रहेगा।

पिज्जा खाने के शौकीनों के लिए बुरी खबर, इन 4 देशों में बंद होगा डोमिनोज पिज्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फास्ट फूड का नाम लेते ही दिमाग में तरह-तरह की डिशेस आ जाती हैं। बर्गर हो या हो पिज्जा- इन्हें देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। इन सब फास्ट फूड में अगर सबसे पसंदीदा पूछा जाए तो ज्यादातर लोगों का एक ही जवाब होगा-पिज्जा। लेकिन अब आपका पसंदीदा डोमिनोज पिज्जा भी वैश्विक मंदी की मार झेल रहा है। ब्रिटेन की यह कंपनी घाटे की वजह से चार देशों में अपना कारोबार समेटने का मन बना चुकी है। कंपनी ने गुरुवार को बताया है कि वो बहुत ज्यादा नुकसान की वजह से चार देशों में अपना कारोबार समेटने में लगी हुई है। डोमिनोज के इस ऐलान के बाद उन देशों के नागरिकों को झटका लग सकता है जिन्हें पिज्जा खाना बेहद पसंद है। इस फैसले को लेकर डोमिनोज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड वाइल्ड ने कहा, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जिन देशों में हम घाटे में जा रहे हैं वहां के आकर्षक बाजारों का प्रतिनिधित्व हम नहीं कर पा रहे हैं। हम वहां इस कारोबार के सर्वश्रेष्ठ मालिक नहीं हैं। हालांकि भारत के लोगों को इसके लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि डोमिनोज का यह फैसला भारत पर नहीं बल्कि स्विट्जरलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देशों को लेकर है जहां डोमिनोज को संचालन में लगातार घाटा उठाना पड़ रहा है।

उज्ज्वला योजना से पूर्वोत्तर को मिला 3 हजार करोड़ रुपए का निवेश: अधिकारी

गुवाहाटी (एजेंसी)।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने गरीब परिवारों को स्वच्छ ईंधन मुहैया कराने के साथ ही पूर्वोत्तर में तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम के राज्य स्तरीय समन्वयक (पेट्रोलियम उत्पाद) यू. भट्टाचार्य ने कहा कि इस योजना से पिछले ढाई साल में रोजगार के तीन हजार से अधिक अवसर भी सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के कारण एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 30 अप्रैल 2017 के 48.3 लाख से बढ़कर अक्टूबर 2019 में 94 लाख के पार हो गई। भट्टाचार्य ने कहा, ''परिवारों को स्वच्छ ईंधन मुहैया कराने का इस योजना का सामाजिक उद्देश्य पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा इस योजना ने निवेश, रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण क्षेत्र की मजबूती के संदर्भों में भी असर डाला है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपारेशन ने 149 करोड़ रुपए की लागत से सिलेंडर में गैस भरने के छह संयंत्र लगाए हैं। इसके अलावा कंपनी 290 करोड़ रुपए के अधिक के निवेश से त्रिपुरा के अगरतला और मेघालय के बाड़ापानी में 2020 तक दो नए संयंत्र बना रही है। अधिक के निवेश से त्रिपुरा के अगरतला और मेघालय के बाड़ापानी में 2020 तक दो नए संयंत्र बना रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने बढ़ी मांग की पूर्ति के लिए असम के बोंगईगांव परिशोधन संयंत्र की प्रौद्योगिकी को 2,500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से उन्नत बनाया है। भट्टाचार्य ने कहा, ''इंडियन ऑयल के सिलेंडर भरने वालों संयंत्रों में प्रौद्योगिकी को उन्नत बनाने के लिये आने वाले वर्षों में करीब 100 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना है। अलग शब्दों में कहें तो उज्ज्वला योजना के कारण आई अतिरिक्त मांग की पूर्ति के लिए तीन हजार करोड़ रुपए अधिक का निवेश किया जा रहा है। उन्होंने रोजगार सृजन के बारे में कहा, ''आज के समय में पूर्वोत्तर में एलपीजी कारोबार में 22,500 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। उज्ज्वला योजना शुरू से पहले ऐसे लोगों की संख्या मई, 2017 में 19,500 थी।

रोज 30 करोड़ साइबर हमले झेल रही Alibaba, जैक मा बोले- ग्राहकों को नहीं होने दिया नुकसान

नई दिल्ली। चीन की सबसे बड़ी कंपनी अलीबाबा के संस्थापक रहे जैक मा ने कहा कि अलीबाबा समूह रोज करीब 30 करोड़ साइबर हमले झेल रही है। हालांकि समूह की पेमेंट कंपनी अलीपे को हैकर्स कोई आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचा सके हैं। जैक मा का कहना है कि इन तमाम साइबर हमलों के बावजूद ग्राहकों को कोई नुकसान नहीं होने दिया गया। जैक मा ने सिंगापुर में फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को बताया कि वर्तमान में अलीपे के करीब एक अरब उपयोगकर्ता हैं, इसके जरिए रोज करीब 50 अरब डॉलर का लेनदेन होता है। फरवरी में अलीबाबा पर हुई साइबर अटैक की कोशिश से कंपनी की ई-कॉमर्स साइट ताओबाओ के 2 करोड़ यूजर के अकाउंट खतरे में आ गए थे। अलीबाबा के मुताबिक उसने सही समय पर खतरे का पता लगा लिया था। मा ने कंपनी की कामयाबी का श्रेय अलीबाबा इंटेलीजेंस की उन्नत तकनीकी क्षमताओं को दिया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर नुकसानदायक गतिविधियों को नाकाम करने में मशीनें इंसानों से बेहतर हैं। बता दें कि जैक मा पिछले महीने अलीबाबा के चेयरमैन पद से रिटायर हुए थे। बता दें कि जैक मा पिछले महीने अलीबाबा के चेयरमैन पद से रिटायर हुए थे। कारोबार के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्हें फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ कॉन्फ्रेंस में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया।

रियल एस्टेट की मंदी से संकट में घिरे बैंक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रियल एस्टेट उद्योग में नकदी के भारी संकट ने कई बैंकों के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। बिल्डर्स घर बेचने से लेकर प्रोजैक्ट को पूरा करने तक में खासी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। बिल्डरों को ऋण वापस करने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है और जिस तरह से मार्कीट में नकदी का संकट है उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भविष्य में यह संकट और गहरा सकता है। ऐसी स्थिति से नियमित बैंकिंग सैक्टर आवासीय वित्तीय फर्मों को भी काफी नुक्सान हो रहा है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.) का डिवैल्परों के पास आधे से अधिक का लोन बकाया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (फिच ग्रुप) के मुताबिक 2020 की पहली छमाही में 70 हजार करोड़ रुपए के विकास ऋण की अदायगी की जानी है। ऐसे में मौजूदा हालात को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि रियल एस्टेट संकट का प्रभाव बैंकों पर भी देखने को मिलेगा, जिन्होंने एन.बी.एफ.सी. को कर्ज दिया है या उनके बॉन्ड में निवेश किया हुआ है। सैंट्रल बैंक और सरकार सहित भारतीय वित्तीय अधिकारियों ने इस वर्ष कहा है कि बैंकिंग सैक्टर का बैड लोन जोकि 10.6 लाख करोड़ रुपए है, संकट के दौरान पिछले 4 साल में पहली बार गिरावट पर होगा। आंकड़े बताते हैं कि पिछले 9 महीनों में दिवालियापन की गर्त में गए प्रॉपर्टी डिवैल्पर की संख्या दोगुनी हो गई है, जिससे एन.बी.एफ.सी. पर दबाव बढ़ा ही है। प्रॉपर्टी बाजार बीते 3-4 वर्षों से संकट के दौर से गुजर रहा है। हालांकि एन.बी.एफ.सी. में नकदी संकट के चलते यह अब और गहरा गया है। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड के मुताबिक 30 जून तक 421 बिल्डर्स के खिलाफ दिवालिया घोषित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। बीते साल 30 सितम्बर तक यह संख्या 209 के करीब थी। सूत्रों के मुताबिक बिल्डर्स 25 फीसदी तक की भारी-भरकम छूट देने के बाद भी प्रॉपर्टी नहीं बेच पा रहे हैं। हालात ये हैं कि देश भर में रियल एस्टेट की इन्वैंट्री 4 साल के उच्चतम स्तर पर है और लगभग 4-5 वर्षों में देश के ज्यादातर हिस्सों में प्रॉपर्टी के दाम भी नहीं बढ़े हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में देश के शैड्यूल कमर्शियल बैंकों का एन.पी.ए. 1.02 लाख करोड़ रुपए घटकर 9.34 करोड़ रुपए रहा गया है लेकिन अब भी भारत का बैड लोन अनुपात सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा है। विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों के मुताबिक रियल एस्टेट में बढ़ता ऋण बड़ी चिंता का विषय है। सितम्बर मध्य में जारी हुई मूडीज की रिपोर्ट के मुताबिक यैस बैंक और इंडसइंड बैंक की निजी रियल एस्टेट क्षेत्र में सीधे मौजूदगी है। ऐसे में रियल एस्टेट में मंदी से ये दोनों बैंक सबसे अधिक प्रभावित होंगे, वहीं रिपोर्ट के मुताबिक आई.सी.आई.सी.आई. बैंक और एक्सिस बैंक पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस महीने रियल एस्टेट में सुस्ती के संबंध में कहा कि वह वित्तीय क्षेत्र में स्थिरता पर तैयार हो रही रिपोर्ट में इस क्षेत्र पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रमुख प्रॉपर्टी कंसल्टैंट अनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टैंट्स के मुताबिक देश भर में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजैक्ट ठप्प पड़े हैं। 12 बैंकिंग और रियल एस्टेट सूत्रों के अनुसार इन एन.बी.एफ.सी. के संभावित प्रत्यार्पण से बैंकों के घोटाले का पर्दाफाश हो सकता है।

सूरत। शहर के अठवा विस्तार में अठवा जोन के सामने एक मकान में एयर कंडीशनर में शार्ट सर्किट से आग लगने से अफरा तफरी मच गई। आग को देखने पर फायरविभाग को सुचित किया गया, आग की सुचना पाते ही फायर विभाग के कर्मीयों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबु पा लिया।

भुज-पालनपुर ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, रेल सेवा प्रभावित

कच्छ। कच्छ के भीमासर स्टेशन यार्ड के रेलवे क्रासिंग 225 पर आज सुबह पालनपुर-गांधीधाम पैसेंजर ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया। घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। हांलाकि घटना की वजह से कई ट्रेनों को रेलवे स्टेशनों पर रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन संख्या 59426 पालनपुर-गांधीधाम पैसेंजर ट्रेन का इंजन आज सुबह कच्छ के भीमासर स्टेशन यार्ड के रेलवे क्रासिंग 225 पर पटरी से उतर गया। जिसका रेल सेवा पर बुरा असर हुआ है। ट्रेन संख्या 19115 सयाजीनगरी को भचाऊ, ट्रेन संख्या 22955 कच्छ एक्सप्रेस को सामखियाली और ट्रेन संख्या 14321 आलाहजरत को आडेसर रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। रेल प्रशासन ने युद्धस्तर पर कार्यवाही कर रहा है, ताकि रेल सेवा पुन: पूर्ववत की जा सके।

प्रेमिका के लिए पत्नी को घर से निकाला, पति के खिलाफ मामला दर्ज

सूरत। शहर के भरथाणा की सोसायटी में रहनेवाले एक शख्स ने प्रेमिका की चाह में अपनी पत्नी को घर से निकाल दिया। चार साल का वैवाहिक जीवन टूटने से आहत विवाहिता ने पति के खिलाफ अमरोली पुलिस थाने में रपट दर्ज करवाई है। सूरत के भरथाणा क्षेत्र की सोसायटी में रहनेवाली एक युवती की 2015 में सुनील काछवा नामक रेल टिकट एजंट के साथ शादी हुई थी। समाज के रीति-रिवाज के मुताबिक शादी के बाद युवती अपने मायके में रहती थी। एक साल बाद युवती जब ससुराल पहुंची तो पति ने कहा कि वह से अच्छी नहीं लगती। मैं दूसरी युवती से प्यार करता हूं और उसके साथ ही रहना चाहता हूं। पति के मुंह से यह बात सुनकर विवाहिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। हांलाकि वैवाहिक जीवन बचाने के लिए विवाहिता किसी भी स्थिति से समझौता करने तैयार हो गई और ससुराल में ही रहने का निश्चय कर लिया। जिसके बाद पति ने उसे मानसिक और शारीरिक यातनाएं देना शुरू कर दिया। हद तो तब हो गई जब दो दिन पहले सुनील प्रेमिका को घर ले आया और अपनी पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया। विवाहिता की सहनशक्ति की जवाब दे गई और उसने सुनील काछवा के खिलाफ अमरोली पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कीहै।

बाइक सवार युवक के अस्पताल के ट्रोमा में सेंटर में घुसने मची अफरातफरी

भरुच। भरुच सिविल अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मोटर साइकिल के साथ युवक के घुसने वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। हांलाकि जब पता चला कि पिता की तबियत बिगड़ने पर युवक बाइक के साथ ट्रोमा सेंटर में आया था, तब सभी ने राहत की सांस ली। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के सिविल अस्पताल में एक शख्स अपने पिता को मोटर साइकिल पर लेकर सीधे ट्रोमा सेंटर में घुस गया। ट्रोमा सेंटर में अचानक मोटर साइकिल के साथ पहुंचे युवक को देख अस्पताल स्टाफ समेत वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। युवक ने बताया कि उसके पिता की तबियत काफी खराब है और उन्हें तुरंत उपचार की जरूरत थी, जिसकी वजह से वह बाइक के साथ ट्रोमा सेंटर में आया है। अस्पताल स्टाफ के समझाने पर युवक ने अपने पिता को बाइक से उतारा और मोटर साइकिल को ट्रोमा सेंटर से बाहर ले जाकर पार्क की।

सरथाणा में फ़ॉर व्हील कार के गैरेज में लगी आग

भीषण आग में पांच कारे जली, घटना से मची अफरातफरी

सूरत।

सरथाणा क्षेत्र में देर रात को फ़ॉर व्हील कारो के एक गैरेज में अचानक आग लग गई थी।आग में गैरेज के अंदर रखी पांच कार जल गई थी।घटना से स्थल पर अफरातफरी और भय फैल गया था।

फायर विभाग के सुत्रो ने जानकारी देते हुए बताया कि सरथाणा जकातनाका में डी-मार्ट के पास कृष्णा रो-हाउस है।यही पर फ़ॉर व्हील कारो का एक गैरेज है।देर रात 12 बजे अचानक गैरेज में आग लग गई थी।आग में दो स्विफ्ट कार,एक सेलेरियो कार सहित 5 अलग अलग कारे जल गई थी। गैरेज में आग की घटना से स्थानीय लोगों में अफरातफरी और अराजकता फैल गई थी।घटना के बारे में जानकारी दिए जाने पर फायर की टीम पहुची और काफी मशक्कत करके आग बुझाकर घटना पर काबू पा लिया।इस घटना में कोई जानहानि नही हुई।

सूरत। स्कुल में कर्मचारियों को कान्ट्रक्ट पर रख कर उनका शोषण किया जा रहा है जिसकी फरियाद करने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही पुलिस प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है ऐसा विभग्योर हाई स्कुल सूरत में कान्ट्रक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों का कहना है।

आरोपी कल्याणपुरा के पुल के नीचे मिलने वाले थे

गांधीधाम आंगडिया लूट मामले में राधनपुर से चार की गिरफ्तारी

पाटण एलसीबी-राधनपुर पुलिस ने लुटेरों को गिरफ्तार किया गया : साढ़े नौ लाख की नकद-मालसामान जब्त

अहमदाबाद । गांधीधाम की गांधी मार्केट में बाबुलाल आंगडिया पीढ़ी के संचालक पर दो लुटेरों ने हमला करके ११ लाख रुपये की लूट करने के मामले में पुलिस ने राधनपुर से चार आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है । दो दिन पहले हुई लूट का पाटण एलसीबी और राधनपुर पुलिस ने रहस्य का समाधान लाकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया । हालांकि इस मामले में अभी एक आरोपी फरार है । पुलिस ने साढ़े नौ लाख की नकद तथा आरोपियों की कार सहित का मालसामान जब्त किया गया । लूट की घटना बाद सरहद रेंज भूज के आईजीपी के आरोपियों को गिरफ्तार करने की सूचना दी थी । जिसकी वजह से पाटण एसपी अक्षयराज की सूचना और राधनपुर के डीवायएसपी एचके. वाघेला के मार्गदर्शन में पाटण एलसीबी के पीएसआई वायके. झाला सहित की टीम और राधनपुर पुलिस की टीम ने आरोपियों के खिलाफ निगरानी रखी गई थी ।

इस दौरान लुटेरे वाराही राधनपुर रोड पर कल्याणपुरा गांव के पुल के नीचे इकट्ठा होने की मिली जानकारी के आधार पर निगरानी में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था । पुलिस ने आरोपियों से लूट के साढ़े नौ लाख नकद सहित का मालसामान जब्त भी किया गया । उल्लेखनीय है कि, दो दिन पहले १४ अक्टूबर को दोपहर में बाबूभाई महादेवभाई प्रजापति की आंगडिया पीढ़ी पर करीब २५ वर्ष की उम्र के दो शख्सों ने आंगडिया करने के बहाने एक ने चाकू के द्वारा अपने दाये हाथ की ऊंगली को चोट पहुंचाई । जबकि दूसरे ने बाबूभाई के सिर के हिस्से पर मुक्का मारकर तथा गला दबाकर बेहोश करके १०,७२,६१५ रुपये और ओपो कंपनी का एक मोबाइल दस हजार तथा अन्य दस्तावेज मिलाकर कुल १०,८२,६१५ रुपये के मालसामान की लूट करके फरार हो गये । जिसे गांधीधाम ए डीविजन पुलिस स्टेशन में ईपीको. धारा ३९४, ३९७, ४५२, ११४ के अनुसार अपराध दर्ज किया गया । हालांकि, पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार करके अपराध का समाधान लाने में सफलता मिली है ।

आरटीओ के लाइसेंस घोटाले में महिला क्लर्क की जमानत

अहमदाबाद । वस्त्राल आरटीओ में छुट्टी के दिन सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी करके १२० लाइसेंस बनाने के मामले में सरकारी कंप्यूटर का गुप्त यूजर आईडी और पासवर्ड देने वाली महिला क्लर्क दिप्तीबहन सोलंकी की शर्त के तहत जमानत बुधवार को एडिशनल सेशंस न्यायाधीश वीजे. कलोतरा द्वारा मंजूर किया गया । वस्त्राल आरटीओ की महिला क्लर्क दिप्तीबहन सोलंकी की ओर से की गई जमानत अर्जी में सीनियर एडवोकेट आरजे. गोस्वामी और एडवोकेट प्रतिक के. नायक ने पेशकश करते हुए कहा कि, शिकायतकर्ता के आरोप के अनुसार, दिप्तीबहन सोलंकी ने सरकारी कंप्यूटर का गुप्त यूजर आईडी और पासवर्ड आरोपी एजेंट जिग्नेश मोदी और अन्य लड़की को दिया था । जिसकी वजह से इसका दुरुपयोग हुआ था और छुट्टी के दिन वस्त्राल आरटीओ में सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी करके बाहर ही बाहर १२० लाइसेंस की एंट्री कर दी गई थी ।

लाइसेंस और आरसी बुक रद्द करने की संभावना

पांच से ज्यादा मेमो मिलने वाले को १० दिनों में जुर्माना चुकाना पड़ेगा

ट्रैफिक नियमों को लेकर निराश रहने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई : २५ स्थलों पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में भी ट्रैफिक नियमों को लेकर भारी हंगामा हुआ है । लेकिन ट्रैफिक नियमों को लेकर आसान रवैये के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है । ट्रैफिक पुलिस भी सुकून भरे रवैया अपना रही है लेकिन अहमदाबाद शहर में हजारों लोग फिलहाल ऐसे है जिनको पांच से ज्यादा बार मेमो दिया गया फिर भी जुर्माना नहीं चुका रहे है लेकिन अब १० दिनों में जुर्माना चुकाना पड़ेगा । हालांकि नोटिस मिलने के १० दिन में जुर्माने की रकम नहीं चुकाया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी । ट्रैफिक डीसीपी अजीत राजीयाण ने इस मामले में जानकारी दे दी है । इसे लेकर अब ई मेमो पाने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी । केंद्र सरकार द्वारा नए मोटर व्हीकल एक्ट आने के बाद लोग ट्रैफिक के नियम को कुछ हद तक पालन कर रहे हैं । हालांकि पिछले चार वर्ष में अहमदाबादियों ने ५५ करोड़ का ट्रैफिक के नियमों के भंग करने पर जुर्माना नहीं चुकाया है । जिसमें ५ से ज्यादा मेमो मिलने वाले लोगों ने ही ३५ करोड़ जितना जुर्माना नहीं चुकाया है । जिसकी वजह से अब ट्रैफिक पुलिस ने यह जुर्माने की वसूली करने के लिए १० दिन का समय दिया है । ट्रैफिक डीसीपी ने आगे बताया है कि, नोटिस मिलने के १० दिन में वह जुर्माना नहीं चुकाये तो उनका लाइसेंस और आरसी बुक को रद्द किया जाएगा ।

इसके लिए अलग से रिकवरी स्कवोर्ड और ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के कर्मचारी उनको घर पर नोटिस देने जाएगी । २०१५ से अभी तक में ५५ करोड़ का जुर्माना लगाया गया है । अहमदाबादियों ने सिर्फ २४ करोड़ चुकाया है बाकी के ५५ करोड़ अभी रिकवर करना बाकी है । यहां उल्लेखनीय है कि, अहमदाबाद में एक कार चालक को १११ जितने ई मेमो भेजा गया है जिसका जुर्माना ३८००० जितना होता है । लेकिन कार चालक ने अभी तक इतनी रकम नहीं चुकाया है । इसे भी नोटिस दिया जाएगा । ट्रैफिक नियमों को लेकर अभी भी व्यापक शिकायतें सामने आ रही है शहर में ट्रैफिक नियमों को और सख्त बनाने के लिए प्रायोगिक स्तर पर ट्रैफिक पुलिस ने शहर के २५ जंक्शन पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू कर दिया है । पश्चिम क्षेत्र में यह प्रक्रिया शुरू की गई है । इसका मुख्य उद्देश्य ट्रैफिक की स्थिति को प्रभावी ढंग से लागू करना, ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए लोगों में जागरूकता लाना भी रहा है । जिन क्षेत्रों में ट्रैफिग सिग्नल लगाया गया है इसमें उस्मानपुरा, इन्कमटैक्स, माउन्ट कार्मेल, वल्लभसदन, नेहरूब्रिज, पालडी, पंचवटी, परिमल गार्डन, गीरीश कोल्ड्रींक्स, स्वस्तिक चार रास्ता, स्टेडियम, वायएमसी, कारगिल भी शामिल है । अन्य क्षेत्र में भी प्रायगोगिक स्तर पर ट्रैफिक सिग्नल को शुरू किया गया है जिसकी वजह से नियमों को लेकर लोगों को सतर्क रहना पड़ेगा ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**